जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

6 फरवरी, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने पैरामेडिकल विज्ञान में हालिया प्रगति पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र ने दिनाँक 03-04 फरवरी, 2025 को पैरामेडिकल विज्ञान में हालिया प्रगति पर अपना पहला दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को सफलतापूर्वक आयोजित किया जिसमें अग्रणी स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों, शिक्षाविदों और शोधार्थियों को एक साथ लाया गया। इस संगोष्ठी में पूरे भारत से लगभग 300 प्रतिनिधियों ने भाग लिया जिसने पैरामेडिकल विज्ञान, स्वास्थ्य सेवा प्रौद्योगिकी और उभरते चिकित्सा रुझानों में अत्याधुनिक प्रगति के बारे में चर्चा के लिए एक अमूल्य मंच प्रदान किया।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र के छात्रों द्वारा पवित्र कुरान और जामिया तराना के पाठ के साथ हुई और तदुपरांत डॉ. आलिया मुफ्ती (सेमिनार संयोजक) ने सबका स्वागत किया। मुख्य अतिथि प्रो. के.पी. कोचर (पूर्व विभागाध्यक्ष, एम्स), मुख्य वक्ता प्रो. असद यू. खान (निदेशक, आईक्यूएसी, एएमयू) और संरक्षक प्रो. जाहिद अशरफ (संकाय अध्यक्ष, जीवन विज्ञान संकाय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया) को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

अपने स्वागत उद्बोधन में प्रो. जावेद ए. खान (निदेशक, डीडीयू कौशल केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया) ने दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र की विरासत और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, प्रो. जाहिद अशरफ ने जेएमआई की अत्याधुनिक सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया। मुख्य भाषण में प्रो. असद यू. खान ने आधुनिक स्वास्थ्य सेवा में पैरामेडिकल विज्ञान की बढ़ती भूमिका के बारे में चर्चा की। प्रो. के.पी. कोचर ने रोगी देखभाल में आध्यात्मिक कल्याण पर अंतर्दृष्टि के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

" स्वास्थ्य सेवा उभरती चुनौतियां" पर सत्र । की अध्यक्षता प्रो अमन जयराजपुरी ने की। प्रो असद यू खान ने "एएमआर का वैश्विक उद्भव: क्या करें?" पर एक आकर्षक व्याख्यान दिया। डॉ. हामिद अशरफ (जेएनएमसी, अलीगढ़) ने "मधुमेह में प्रौद्योगिकी का अवलोकन: इसका उपचार और देखभाल" पर एक व्यावहारिक प्रस्तुति दी। "कार्डियोलॉजी और पैथोलॉजी में प्रगति" पर सत्र ॥ की अध्यक्षता प्रोफ मो सलीम ने की। डॉ. अबाद खान (सेंट जोसेफ अस्पताल, गाजियाबाद) ने "हार्ट केयर और इमरजेंसी केयर में फ्रंटलाइन हीरोज: पैरामेडिक्स की भूमिका और चुनौतियां" पर प्रस्तुति दी। प्रो ज़ीबा जयराजपुरी (एचआईएमएसआर, नई दिल्ली) ने "डिजिटल पैथोलॉजी में एआई" पर चर्चा की। "न्यूरो-मॉड्यूलेशन और एनेस्थीसिया में नवाचार" पर सत्र ।।। की अध्यक्षता प्रो. तनवीर अहमद ने की। तीसरे सत्र के बाद, प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत पोस्टरों का मूल्यांकन प्रो एस. मंसूर अली, डॉ. अमित वर्मा, डॉ. जुबैर मोहम्मद सद्दाम और डॉ. एम इरफान कुरैशी की निर्णायक टीम द्वारा किया गया।

सेमिनार के दूसरे दिन की शुरुआत कार्यक्रम की संयोजक डॉ. सबा रहमान के स्वागत भाषण के साथ हुई। "श्रवण प्रौद्योगिकी में नवाचार" विषय पर चौथे सत्र की अध्यक्षता प्रो मरियम सरदार ने की। डॉ. मोहम्मद शमीम अंसारी (एवाईजेएनआईएसएचडी, मुंबई) ने श्रवण बाधित व्यक्तियों के लिए श्रवण प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगति पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया।

"भारत भर में उभरते स्वास्थ्य पेशेवरों द्वारा मौखिक प्रस्तुतियाँ" विषय पर पांचवें और छठे सत्र की अध्यक्षता प्रो क्यू.एम. रिजवानुल हक और सह-अध्यक्ष डॉ. काशिफ अली ने की । इस सत्र में प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों की ओर से 15 मौखिक प्रस्तुतियाँ दी गईं।

दो दिवसीय सेमिनार ने पैरामेडिकल विज्ञान में हाल की प्रगति पर चर्चा के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य किया, स्वास्थ्य पेशेवरों, शिक्षाविदों और छात्रों के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा दिया। इस कार्यक्रम ने क्षेत्र में वर्तमान और उभरते रुझानों पर सार्थक विचार-विमर्श की सुविधा प्रदान की जिससे चिकित्सा शिक्षा और रोगी देखभाल में अंतःविषय संवाद और नवाचार को बढ़ावा मिला। समृद्ध शैक्षणिक सत्रों के उपरांत दर्शकों को दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र , जामिया मिल्लिया इस्लामिया के प्रतिभाशाली छात्रों द्वारा प्रस्तुत एक

जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद मिला। प्रदर्शनों ने छात्रों के समर्पण, रचनात्मकता और जुनून को दर्शाया जिसने कार्यक्रम में उत्साह से भर दिया।

सेमिनार का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ जिसमें मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियों के विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन संयोजकों द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ जिसमें सेमिनार की सफलता में उनके योगदान के लिए वक्ताओं, प्रतिनिधियों और आयोजन समिति की सराहना की गई।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया